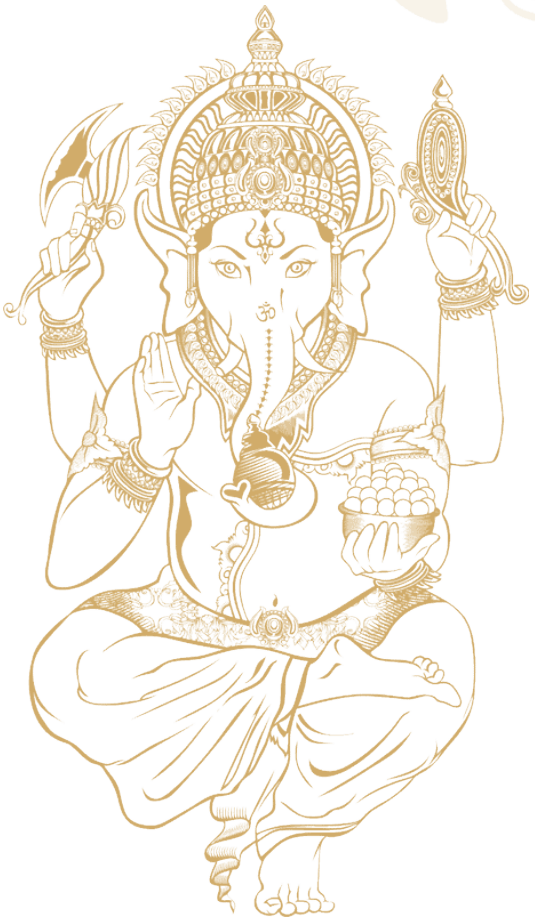

Mr. Shriyank

Miss rashmi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119267902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/03/1995	जन्म तिथि	21-22/12/2000
शुक्रवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 17:17:00	जन्म समय	03:00:50 घंटे
घटी 27:49:40	जन्म समय(घटी)	50:36:01 घटी
India	देश	India
Katni	स्थान	Bulandshahr
23:47:00 उत्तर	अक्षांश	28:30:00 उत्तर
80:29:00 पूर्व	रेखांश	77:49:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:04	स्थानिक संस्कार	-00:18:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:09:07	सूर्योदय	07:07:16
18:19:56	सूर्यास्त	17:26:44
23:47:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:58

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 12वर्ष 10मा 24दि	25:53:37	सिंह	लग्न	तुला	12:12:34	गुरु 11वर्ष 11मा 13दि
मंगल	09:34:42	मीन	सूर्य	धनु	06:28:08	शनि
16/02/2024	18:03:57	धनु	चंद्र	तुला	23:22:20	05/12/2012
16/02/2031	19:22:20	कर्क व	मंगल	तुला	05:07:09	05/12/2031
मंगल 15/07/2024	20:53:53	कुंभ	बुध	धनु	04:15:20	शनि 08/12/2015
राहु 02/08/2025	21:29:21	वृश्चि	गुरु व	वृष	09:16:37	बुध 17/08/2018
गुरु 09/07/2026	01:45:16	कुंभ	शुक्र	मक	21:45:26	केतु 26/09/2019
शनि 18/08/2027	23:27:44	कुंभ	शनि व	वृष	01:14:26	शुक्र 26/11/2022
बुध 14/08/2028	12:16:05	तुला व	राहु व	मिथु	21:42:21	सूर्य 08/11/2023
केतु 10/01/2029	12:16:05	मेष व	केतु व	धनु	21:42:21	चन्द्र 08/06/2025
शुक्र 12/03/2030	05:57:40	मक	हर्ष	मक	24:19:10	मंगल 18/07/2026
सूर्य 18/07/2030	01:25:58	मक	नेप	मक	11:07:06	राहु 24/05/2029
चन्द्र 16/02/2031	06:41:39	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	19:31:59	गुरु 05/12/2031

लग्न-चलित

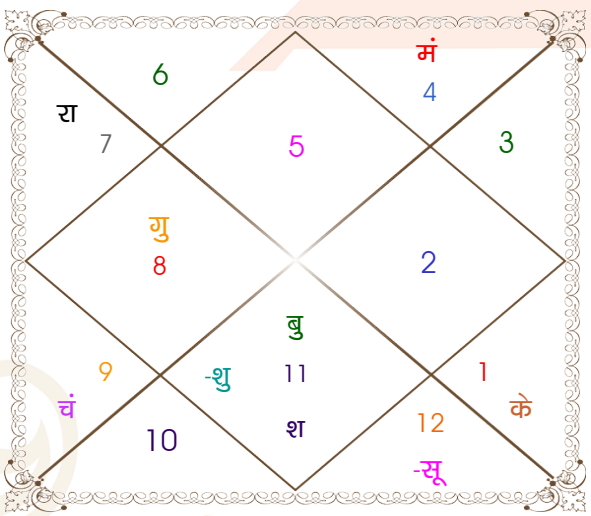

लग्न-चलित

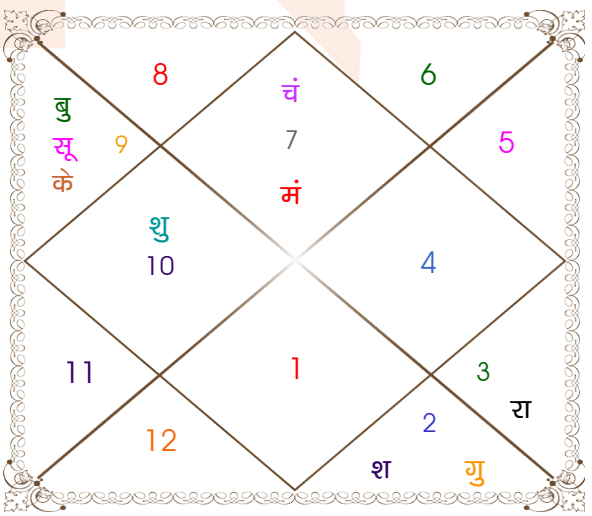

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

डतण्ौतपलंदा का वर्ग सर्प है तथा डपे तींउप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ौतपलंदा और डपे तींउप का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ौतपलंदा मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्ौतपलंदा कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण्ौतपलंदा कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डपे तींउप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र डपे तींउप कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डतण्ैातपलंदा कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्ैातपलंदा तथा डपे तींउप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।